2019-20

“हिंदी महोत्सव”2019

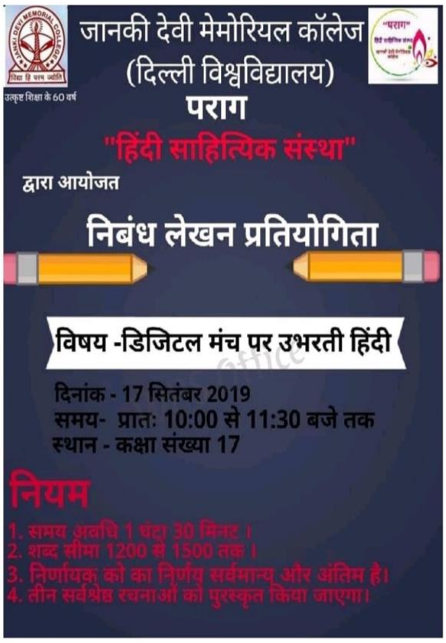

हिंदी दिवस के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी **"हिंदी महोत्सव"** का आयोजन किया गया जो 3 दिन का कार्यक्रम रहा (14 सितंबर से 17 सितंबर तक) I प्रथम दिन **14 सितंबर 2019**, को उद्घाटन स्तर का आयोजन किया गया जिसका विषय **"हिंदी का वैश्विक सन्दर्भ"** रहा। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल राय, हिंदी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. राजबीर सिंह, महाप्रबंधक, एन.एच.पी.सी, भारत सरकार रहें। मंच संचालन पराग की संयोजिका डॉ. संगीता गुप्ता ने किया। प्राचार्य, प्रोफेसर स्वाति पाल, प्रो. अनिल राय, डॉ. राजबीर सिंह और जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, हिंदी

विभाग के सभी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। सत्र के शुभारंभ में प्रोफेसर स्वाति पाल ने मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'अपनी भाषा' और 'मेरी भाषा' का हवाला देते हुए कहा की हिंदी भाषियों को भाषा के सन्दर्भ में हीनता से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। प्रो.अनिल राय ने अपने वक्तव्य में कहा की "हिंदी का सम्मान, माँ के समान है और हिंदी को देश की नब्ज बताया।" डॉ. राजवीर सिंह ने अपने वक्तव्य में भारतीय संविधान में हिंदी की स्थापना, अनुच्छेदों और हिंदी में रोज़गार की संभावना पर चर्चा की। इस सत्र में अन्य कॉलेज के विद्यार्थियों और दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थियों, शिक्षकों ने भी भाग लिया। इस सत्र का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संध्या गर्ग द्वारा किया गया। सत्र के दूसरे सदन में फिल्म "चुपके चुपके " का प्रदर्शन भी किया गया। दूसरे दिन **16 सितंबर 2019,सद्य लेखन प्रतियोगिता** प्रातः 10-11 बजे आयोजन किया गया , जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज से 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का निर्णय कुछ दिन बाद दिया गया । इसके बाद (16 सितंबर 2019) प्रातः 11:30 बजे से **कविता प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक मंडल में राजधानी कॉलेज के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. जसवीर त्यागी; जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की हिंदी विभाग की डॉ. संध्या गर्ग और डॉ. रजनी बाला अनुरागी थी। प्रतियोगिता में 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया।तीसरे दिन **17 सितंबर, 2019, निबंध लेखन प्रतियोगिता** प्रातः 10-11 बजे आयोजन किया गया , जिसके अंतर्गत कुल 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।प्रतियोगिता का निर्णय कुछ दिनों बाद दिया गया। इसके बाद (17 सितंबर 2019) प्रातः 12 बजे से **लोकगीत प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक मंडल में आकाशवाणी से चंद्रावती शर्मा; जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज से संगीत विभाग की डॉ. प्रेरणा अरोड़ा और समाजशास्त्र विभाग से डॉ.राज लक्ष्मी थी। लोकगीत प्रतियोगिता में भी दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 30-40 छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान ऑनलाइन **"प्रेमचंद कहानी लेखन प्रतियोगिता"** का भी आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत कुल 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता का निर्णय कुछ दिनों बाद दिया गया ।

प्रतियोगिता के विजेता

सद्य लेखन प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार ₹800/- शिवांश मिश्रा (रामानुजन कॉलेज),द्वितीय पुरस्कार ₹600/- हर्ष पांडेय (रामानुजन कॉलेज) और तृतीय पुरस्कार ₹400/- शुभांजल (मोतीलाल नेहरू कॉलेज) को दिया गया । इसके अतिरिक्त ₹200/- प्रोत्साहन पुरस्कार से भी कुछ छात्रों - प्रीति और कोमल (जानकी देवी मेमोरिला) एवं शिवा शिंह (शहीद भगत सिंह कॉलेज) को समनित किया गया।

कविता प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार रु. 800/- नोमिता (जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार रु. 600/- कुशल (केशव महाविद्यालय), और तीसरा पुरस्कार रु. 400/- चेतना (जानकी देवी मेमोरियल) को दिया गया। इसके अतिरिक्त तीन प्रोत्साहन पुरस्कार से भी कुछ छात्रो-हनी (एस. ओ.एल), उमेश (मोती लाल नेहरू कॉलेज) और मोहित (केशव महाविद्यालय) को सम्मानित किया गया।

निबंध प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार ₹800/- अंजलि (जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) , द्वितीय पुरस्कार ₹600/- अर्पिता लखेड़ा (लेडी श्रीराम कॉलेज) और तृतीय पुरस्कार ₹400/- सीमा (जानकी देवी मेमोरियल) को दिया गया। इसके अतिरिक्त ₹200/- प्रोत्साहन पुरस्कार से भी कुछ प्रतिभागियों - अंजलि (जानकी देवी मेमोरियल), कृष्णा (पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज), रवि (मोतीलाल नेहरू कॉलेज) को समानित किया गया ।

लोकगीत प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार रु. 800/- मनीषा (जानकी देवी मेमोरियल) , द्वितीय पुरस्कार रु. 600/- अर्पिता (लेडी श्रीराम कॉलेज) , और तीसरा पुरस्कार रु. 400/- नेहा और अंकिता तिवारी (जानकी देवी मोरियल कॉलेज) को दिया गया। साथ ही तबला वादिका का विशेष पुरस्कार नसरीन को दिया गया। इसके अतिरिक्त रु 200/- तीन प्रोत्साहन पुरस्कार से भी कुछ छात्रो हिमांशि और ज्योति(जानकी देवी मेमोरियल), ममता (लेडी श्रीराम कॉलेज) एवं नेहा (जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) को सम्मानित किया गया।

14 सितंबर हिन्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में दीप प्रज्जवलित

14 सितंबर 2019 मंच पर उपस्थित वक्ता

14 सितंबर हिन्दी महोत्सव 2019 ,प्रतिक से सम्मानित

16 सितंबर 2019
सद्य लेखन प्रतियोगिता

16 सितंबर 2019
कविता प्रतियगिता के निर्णायक

16 सितंबर 2019
कविता प्रतियोगिता

17 सितंबर 2019
निबंध लेखन प्रतियोगिता

17 सितंबर 2019
लोकगीत प्रतियोगिता के निर्णायक

साहित्यिकी 2020

9 जनवरी 2020,कॉलेज के वार्षिक सप्ताह के दौरान "**साहित्यिकी**" का आयोजन कॉलेज के हिंदी विभाग दवारा किया गया। इस प्रतियोगिता में हिन्दी साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष ने सबका स्वागत करते हुए किया।एक स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रश्नकर्ता डॉ प्रदीप कुमार जी को सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल तेरह टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के नियम बताए गए। इस प्रतियोगिता में दस राउंड रहे। जिसमें हिंदी साहित्य का इतिहास, काव्यशास्त्र, उपन्यास, साहित्यकारों के उद्धरण एवं उनके चित्र दिखाकर प्रश्न किए गए। सबसे ज्यादा प्रश्नों के उतर देने वाली टीम को विजयी घोषित किया गया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन हिन्दी साहित्य संस्थान पराग के सदस्यों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। **विजयी टीमें** रही प्रथम पुरस्कार(2500) - टीम नं-5 राम भुआल, हर्ष, प्रकर्ष(हिंदू

कालेज),द्वितीय पुरस्कार (2000) - टीम नं-7 तरुण कुमार, प्रद्युम्न कुमार, आनंद कुमार यादव (आर्यभट्ट कालेज) ,तृतीय पुरस्कार (1500) - टीम नं-1 शिवम, प्रज्ञा और मोसमी(श्री वैंकटेश्वर कालेज) । कार्यक्रम बेहद रोचक एवं सफल रहा।

<u>वेबिनार - “सिनेमा से यथार्थ तक”</u>

२१ मई को जानकी देवी मेमोरीयल कॉलेज की हिंदी साहित्यिक संस्था पराग द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया । विषय था - सिनेमा से यथार्थ तक । और अतिथि वक्ता थी। टी वी और सिनेमा जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री जया भट्टाचार्य ।

जया जी क्योंकि सास भी कभी बहु थी, क़सम से , गंगा , थपकी प्यार की जैसे सीरियल व देवदास, सिर्फ़ तुम , लज्जा जैसी सफल फ़िल्मों में अपनी दमदार भूमिका के लिए तो जानी जाती हाई है साथ ही वे पशु प्रेमी , पर्यावरण प्रेमी एनेर्जी हीलर भी हैं । Street dogs के लिए उनका समर्पण अत्यंत प्रशंसनीय हैअपने करियर और सामाजिक जीवन के लिए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में जया जी ने समाज में स्त्री की स्थिति , घरेलू हिंसा, आधुनिकता को सिर्फ़ कपड़ों से जोड़ने वाली ग़लत मानसिकता , नई पीडी को अपने आत्मसम्मान को प्राथमिकता देने जैसे विषयों पर खुल कर बात की । आज के इस कठिन दौर में मानवता की सब से ज़्यादा ज़रूरत है बाक़ी समस्याओं का हल हो जाएगा , उन्होंने बहुत सार पूर्ण ढंग से बालीवुड में स्त्री की स्थिति पर भी अपने विचार रखे । प्रतिभागियों ने भी प्रश्न किए । समय कब सीमा पार कर गया , पता हाई नही चला जो की जया जी की सहज शैली का ही परिणाम था । वेबिनार के प्रारम्भ में प्राचार्या डॉक्टर स्वाति पाल ने जया जी के चुम्बकीय व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उनका स्वागत किया । कार्याक्रम का संचालन डॉक्टर संगीता गुप्ता और डॉक्टर संध्या गर्ग ने किया । डॉक्टर शिल्पा चौधरी और श्री सुरेंद्र कुमार ने भी संयोजन में अपनी मदद दी।

कार्यक्रम श्रोताओं के मन में बहुत सारे प्रश्नों ओर विचार करने की प्रेरणा के साथ ही समाप्त हुआ ।

ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता

'पराग', 'डब्लू डी सी' और 'बी एंड एस फाउंडेशन' के सहयोग से अंतर महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। यह एक ऑनलाइन प्रतियोगिता रही। निबंध का विषय **"महिला और राजनीति"** रखा गया। प्रतियोगिता द्विभाषी रही । जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थियों ने भाग लिया।